बिहार विधान-सभा वादवृत्त।

बुधवार, तिथि १८ सितम्बर, १९६३।

भारत के संविधान के उपबन्ध के अनुसार एकत्र विधान-सभा का कार्य-विवरण।

सभा का अधिवेशन पटने के सभा-सदन में बुधवार, तिथि १८ सितम्बर, १९६३ को पूर्वाह्न ११ बजे अध्यक्ष डा० लक्ष्मी नारायण सुधांशु के सभापतित्व में प्रारम्भ हुआ।

सभा नियमावली के नियम "८९" के अनुसार प्रश्नों के लिखित उत्तरों का सभा मेज पर रखा जाना।

श्री दीनानारायण सिंह—महाशय, मैं तृतीय बिहारविधान-सभा के चतुर्थ सत्र (फरवरी-अप्रील), १९६३ के शेष ५६७ अतारांकित प्रश्नों में से १२३ प्रश्नों के लिखित उत्तरों को सभा की मेज पर रखता हूं।

अल्प-सूचित प्रश्नोत्तर।

Short Notice Questions and Answers.

पटना म्यूजियम को फटी छत की मरम्मत।

३। श्री राघवेन्द्र नारायण सिंह—क्या मंत्री, शिक्षा विभाग, यह बताने की कृपा करेंगे कि—

(१) क्या सरकार का ध्यान पटने से प्रकाशित हिन्दी दैनिक के दिनांक ३० अगस्त १९६३ के अंक में प्रकाशित "पटना म्यूजियम की फटी छत साल भर बाद भी नहीं बनी" शीर्षक समाचार की ओर गया है ;

(२) छत फटने का पता म्यूजियम के भार-साधक अधिकारी को कब लगा और उन्होंने इसकी मरम्मत के लिये क्या कदम उठाया ;

(३) अभी वस्तुस्थिति क्या है और सरकार इस संबंध में क्या करना चाहती है ?

श्री कमलदेव नारायण सिंह—(१) उत्तर स्वीकारात्मक है।

(२) पटना म्यूजियम के कार्यकारी अध्यक्ष ने म्यूजियम की छत फटने की सूचना दिनांक ४ अप्रील १९६३ को कार्यपालक अभियंता, केन्द्रीय अंचल, लोक-निर्माण विभाग को दिया। उसके बाद उन्होंने दिनांक १५ अप्रील, १९६३, १९ अप्रील, १९६३, २५ मई, १९६३, ३ जुलाई, १९६३ एवं ३१ जुलाई, १९६३ को स्मार-पत्र भी दिया। सरकार के पुरातत्व-विभाग ने भी मुख्य-अभियंता, लोक-निर्माण विभाग से इस संबंध में आवश्यक कार्रवाई करने का अनुरोध २५ अप्रील १९६३ को किया। मुख्य-अभियंता, लोक-निर्माण विभाग ने २० मई, १९६३ को इस संबंध में की गई कार्रवाई से अवगत कराने के लिये कार्यपालक अभियंता, केन्द्रीय-अंचल को एक अर्द्ध-सरकारी पत्र लिखा।

(३) दिनांक ३१ अगस्त, १९६३ से लोक-निर्माण विभाग द्वारा मरम्मत का कार्य प्रारम्भ किया गया जो अभी जारी है।

POSTPONEMENT OF EXAMINATION.

4. Shri RAUFUL AZAM : Will the Education Minister be pleased to state whether it is a fact that the Post-Graduate Examination of Bihar University has not yet been held ; if so, the reasons thereof ?

श्री कमलदेव नारायण सिंह—बिहार विश्वविद्यालय में एम० ए० की परीक्षा शुरू होने के बाद मालूम हुआ कि प्रश्न-पत्रों की जानकारी छात्रों को पहले ही से हो गयी थी। अतः परीक्षा स्थगित कर दी गयी और प्राप्त उत्तर-पत्रों को भी रद्द कर दिया गया, अब यह परीक्षा पुनः २१ अक्तूबर, १९६३ से होगी।

श्री रउफुल आजम—सवाल कहां छपा था ?

श्री कमलदेव नारायण सिंह—इसकी सूचना नहीं है।

अध्यक्ष—इसकी सूचना रखनी चाहिये थी।

*श्री सत्येन्द्र नारायण सिंह—जहां तक मुझे मालूम है कि प्रश्न शायद बनारस में छपा था।

अध्यक्ष—शायद से काम नहीं चलेगा।

श्री रउफुल आजम—बनारस में या इलाहाबाद में ?

अध्यक्ष—मैं समझता हूं कि माननीय मंत्री को इसकी जानकारी नहीं है।

श्री सत्येन्द्र नारायण सिंह—इसकी सूचना प्रकाशित नहीं की जाती है क्योंकि यह कंफिडेन्सियल समझा जाता है और प्रेस का नाम हमलोगों के पास नहीं आता है। इसके बारे में पूरी जानकारी चाहते हैं तो मैं पीछे स्टेटमेंट दे दूंगा।

*श्री शकूर अहमद—क्या यह बात सरकार को मालूम है कि एक-एक प्रश्न ढाई-ढाई सौ रुपया में बिका है ?

श्री सत्येन्द्र नारायण सिंह—इसकी जानकारी नहीं है।

*श्री राम सेवक सिंह—मंत्री जी ने कहा कि प्रश्न कहां छपा, इसकी जानकारी उन्हें नहीं है तो मैं जानना चाहता हूं कि विद्यार्थियों को इसका पता पहले कैसे लग गया ?

श्री सत्येन्द्र नारायण सिंह—इस विषय में पुलिस केस कर दिया गया है और इसकी तहकीकात हो रही है कि कहां से लोगों को पता चल गया। मुकदमा चलेगा और उसके बाद पूरा विवरण सदन को दिया जायेगा।

श्री राम सेवक सिंह—कितने महीनों से जांच हो रही है और कितने लोगों को गिरफ्तार किया गया है ?

श्री सत्येन्द्र नारायण सिंह—इसकी जानकारी नहीं है ।

श्री जनार्दन तिवारी—क्या सरकार इस गड़बड़ी के लिये किसी जिला जज से जांच कराना चाहती है ?

श्री सत्येन्द्र नारायण सिंह—अभी बताया गया है कि पुलिस केस है और इसकी तहकीकात हो रही है तो इसके बाद ही यह प्रश्न उठाया जा सकता है ।

श्री जनार्दन तिवारी—पुलिस की बात अलग है । सरकार को अपनी तरफ से जुडिशियल इन्क्वायरी करानी चाहिये, क्योंकि यह महत्वपूर्ण विषय है । इस प्रकार प्रश्न का पहले मालूम हो जाना बहुत ही दुर्भाग्य की बात है ।

श्री सत्येन्द्र नारायण सिंह—पुलिस केस कर दिया गया है । मुकदमा चल रहा है । अत जुडिशियल इन्क्वायरी कराना ठीक नहीं होगा ।

श्री रामानन्द सिंह—पुलिस केस में कौन-कौन सज्जन मुद्दालेह हैं ?

श्री सत्येन्द्र नारायण सिंह—इसकी सूचना नहीं है ।

श्री रामानन्द तिवारी—प्रश्नों को छपाने की जिम्मेवारी किस पदाधिकारी पर है ?

श्री सत्येन्द्र नारायण सिंह—क्वेश्चन सेट किया जाता है जिसके इन्चार्ज असिस्टेन्ट रजिस्ट्रार और वहां के फाइनेन्स ओफिसर होते हैं । सवाल की एक प्रति प्रेस में छपने को जाती है और एक असिस्टेन्ट रजिस्ट्रार के पास रहती है । छपने के बाद सवाल की जवाबदेही असिस्टेन्ट रजिस्ट्रार की होती है ।

श्री रामानन्द तिवारी—प्रश्न किस प्रेस में भेजा जाय, इसका उत्तरदायित्व किस अफसर पर है ?

श्री सत्येन्द्र नारायण सिंह—इस पर युनिवर्सिटी का फैसला हुआ करता है । शायद वाइस-चांसलर का फैसला होता है ।

श्री रामानन्द तिवारी—क्या इसके पहले कभी बिहार के बाहर प्रश्न छपने के लिये गया था ?

श्री सत्येन्द्र नारायण सिंह—इसका उत्तर देने में मैं असमर्थ हूं।

*श्री मुनिश्वर प्रसाद सिंह—परीक्षा न होने के कारण विद्यार्थियों को जो इतनी बड़ी क्षति उठानी पड़ी है, उसके लिये शिक्षा-मंत्री ने क्या कुछ सोचा है ?

श्री सत्येन्द्र नारायण सिंह—परीक्षा की तिथि निश्चित हो गयी है और छात्र उसमें सम्मिलित होंगे। इस विषय में अभी कोई कदम उठाने की बात नहीं सोची गयी है।

तारांकित प्रश्नोत्तर।

Starred Questions and Answers.

शिक्षकों की संख्या कम करना।

७०। श्री मदन बेसरा—क्या मंत्री, शिक्षा विभाग, यह बताने की कृपा करेंगे कि—

(१) क्या यह बात सही है कि जिला संताल परगना के अन्तर्गत रामगढ़ बोर्ड माध्यमिक विद्यालय में अस्थाई रूप से दस शिक्षक काम कर रहे हैं ;

(२) यदि खंड (१) का उत्तर स्वीकारात्मक है, तो उक्त माध्यमिक विद्यालय में क्लास के हिसाब से अधिक संख्या में शिक्षकों को रखने का क्या कारण है तथा सरकार शिक्षकों की संख्या को कम करना चाहती है ?

श्री कमलदेव नारायण सिंह—(१) उत्तर स्वीकारात्मक है।

(२) इस स्कूल में छात्रों की संख्या ३५४ है। नियमानुसार ४० विद्यार्थियों पर एक शिक्षक होना चाहिये। विद्यार्थियों की वर्त्तमान संख्या के अनुसार वहां ९ शिक्षकों की आवश्यकता है। छात्रों एवं शिक्षकों की संख्या को दृष्टिकोण में रखकर अनुशासन की दृष्टिकोण से एक अलग से प्रधानाध्यापक की आवश्यकता थी। फिर भी संकटकालीन स्थिति को ध्यान में रखते हुए वहां से एक शिक्षक को अन्यत्र प्रतिनियोजित किया जा चुका है। अभी कुल ९ शिक्षक ही काम कर रहे हैं।

*श्री मदन बेसरा—सरकार के प्रथम खंड के उत्तर के अनुसार वहां १० शिक्षक और दूसरे खंड के उत्तर के अनुसार ९ शिक्षक काम कर रहे हैं तो मैं जानना चाहता हूं कि कौन सा उत्तर सही है ?

श्री कमलदेव नारायण सिंह—एक शिक्षक अब ट्रांसफर कर दिये गये हैं।

श्री मदन बेसरा—उस विद्यालय में कितने शिक्षकों को रहना चाहिये ?